YOJANASEWA.COM

https://yojanasewa.com

Zee5 के बाद अब IMDb से भी गायब हुई सतलुज की रेटिंग, भड़के मेकर्स!

विषय सूची (Table of Contents):

>> सतलुज विवाद ओटीटी (Zee5) के बाद अब IMDb से फिल्म की रेटिंग हुई गायब...

>> ओटीटी के बाद अब डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी डिजिटल स्ट्राइक...

>> रिलीज के 48 घंटों के भीतर फिल्म को मिली थी 9.5 की दमदार रेटिंग...

>> पब्लिक और क्रिटिक्स का मिला था जबरदस्त रिस्पॉन्स...

>> रेटिंग हटने पर भड़के डायरेक्टर संजय गुप्ता, IMDb को बताया फर्जी ...

>> संजय गुप्ता ने सोशल मीडिया पर शेयर किया स्क्रीनशॉट...

>> को-राइटर नरिन भट्ट ने भी जताई हैरानी, कहा- हमारे साथ कोई संवाद नहीं हुआ ...

>> मेकर्स को नहीं दी जा रही कोई भी आधिकारिक जानकारी...

>> सिस्टम में बैठे किसी शख्स को इस फिल्म से भारी दिक्कत है ...

>> सालों की मेहनत पर पानी फेरने की कोशिश...

>> सेंसर बोर्ड (CBFC) और ज़ी5 की चुप्पी पर मेकर्स ने उठाए गंभीर सवाल...

>> मौजूदा घटनाक्रम के नाम पर टालमटोल का रवैया...

>> बिना कारण बताए फिल्म पर एक्शन सोशल मीडिया पर छिड़ी नई बहस...

>> डिजिटल युग में सेंसरशिप के तरीकों पर उठे सवाल...

>> निष्कर्ष (Conclusion)...

>> जनता के सवाल (FAQs)...

भारतीय सिनेमा और ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के इतिहास में विवाद कोई नई बात नहीं हैं, लेकिन साल 2026 में दलजीत दोसांझ की फिल्म सतलुज को लेकर जो घटनाक्रम सामने आ रहा है, उसने पूरी इंडस्ट्री को हैरान कर दिया है। पहले इस फिल्म को बिना किसी ठोस कारण के ओटीटी प्लेटफॉर्म से हटाया गया, और अब एक और चौंकाने वाली खबर सामने आई है।

पॉपुलर ग्लोबल फिल्म डेटाबेस और रेटिंग वेबसाइट IMDb से अब इस फिल्म की शानदार रेटिंग्स को पूरी तरह से गायब कर दिया गया है। इस डिजिटल एक्शन के बाद फिल्म के मेकर्स, राइटर्स और बॉलीवुड के कई दिग्गज निर्देशकों का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया है। आइए इस पूरे विवाद और इसके पीछे की इनसाइड स्टोरी को विस्तार से समझते हैं।

सतलुज विवाद: ओटीटी (Zee5) के बाद अब IMDb से फिल्म की रेटिंग

मशहूर पंजाबी और बॉलीवुड अभिनेता दलजीत दोसांझ की बहुचर्चित फिल्म सतलुज इन दिनों देश के सबसे बड़े डिजिटल विवाद का केंद्र बन चुकी है। ज़ी5 (Zee5) प्लेटफॉर्म से फिल्म के अचानक गायब होने के बाद से ही सोशल मीडिया पर बहस छिड़ी हुई थी कि आखिर ऐसा क्यों किया गया।

ओटीटी के बाद अब डिजिटिल प्लेटफॉर्म पर भी डिजिटिल स्ट्राइक

अभी दर्शक इस बात को समझ भी नहीं पाए थे कि अचानक फिल्म लवर्स ने नोटिस किया कि इंटरनेट मूवी डेटाबेस यानी IMDb के आधिकारिक पेज से फिल्म सतलुज की रेटिंग्स को भी हटा दिया गया है। फिल्म का पेज तो लाइव है, लेकिन वहां मौजूद पब्लिक रिव्यूज और रेटिंग का स्टेटस अब शून्य या नदारद दिख रहा है।

इस ताजा घटनाक्रम ने इस बात को हवा दे दी है कि फिल्म के खिलाफ कोई बहुत बड़ा अदृश्य नेटवर्क काम कर रहा है। फिल्म से जुड़ी हर एक डिजिटिल पहचान को इंटरनेट से धीरे-धीरे साफ किया जा रहा है, जिससे सिनेमा प्रेमी काफी निराश हैं। यदि आप इस फिल्म के ओटीटी से हटने की पूरी खबर देखना चाहते हैं, तो आप इसLatest Updateको पढ़ सकते हैं।

रिलीज के 48 घंटों के भीतर फिल्म को मिली थी 9.5 की दमदार रेटिं

जब फिल्म सतलुज को ज़ी5 पर रिलीज किया गया था, तब दर्शकों ने इसे हाथों-हाथ लिया था। रिलीज के शुरुआती 48 घंटों के भीतर ही फिल्म को लेकर दर्शकों और क्रिटिक्स की तरफ से बेहद सकारात्मक प्रतिक्रियाएं देखने को मिली थीं।

पब्लिक और क्रिटिक्स का मिला था जबरदस्त रिस्पॉन्स

शुरुआती दो दिनों यानी 48 घंटों में ही इस फिल्म को IMDb पर 10 में से9.5 रेटिंग पॉइंट्सहासिल हुए थे, जो किसी भी भारतीय फिल्म के लिए एक ऐतिहासिक और बेहद मजबूत शुरुआत मानी जाती है। मंगलवार तक फिल्म के पेज पर यह शानदार स्कोर साफ तौर पर दिखाई दे रहा था।

>> शुरुआती स्कोर:10 में से 9.5 अंक (बेहद शानदार श्रेणी)

>> पब्लिक वर्डिक्ट:बेहतरीन अभिनय और दमदार कहानी की तारीफ

>> अचानक बदलाव:बुधवार सुबह होते ही रेटिंग का पूरा डेटा गायब मिला

रेटिंग हटने पर भड़के डायरेक्टर संजय गुप्ता, IMDb को बताया फ

कांटे और मुसाफिर जैसी ब्लॉकबस्टर और कल्ट फिल्में बनाने वाले बॉलीवुड के जाने-माने फिल्म निर्देशक संजय गुप्ता ने इस मामले को सबसे पहले नोटिस किया। उन्होंने इस डिजिटिल हेरफेर पर सोशल मीडिया पर आकर अपनी कड़ी आपत्ति दर्ज कराई है।

संजय गुप्ता ने सोशल मीडिया पर शेयर किया स्क्रीनशॉट

संजय गुप्ता ने अपने आधिकारिक एक्स (ट्विटर) हैंडल पर सतलुज के IMDb पेज का एक स्क्रीनशॉट साझा किया। इस स्क्रीनशॉट में साफ देखा जा सकता है कि फिल्म की रेटिंग वाला कॉलम पूरी तरह से खाली कर दिया गया है। उन्होंने पूरी प्रक्रिया की प्रामाणिकता पर ही सवाल उठा दिए हैं।

डायरेक्टर संजय गुप्ता ने पोस्ट लिखते हुए बेहद तल्ख लहजे में कहा, कल तक इस फिल्म की रेटिंग 9.5 थी, और आज यह पूरी तरह गायब है। ऐसा नहीं है कि मैं कभी IMDb की रेटिंग्स पर अंधा भरोसा करता था, लेकिन इस हरकत से यह साफ पता चलता है कि ये प्लेटफॉर्म्स कितने फर्जी और मैन्युपुलेटेड हैं।

को-राइटर नरिन भट्ट ने भी जताई हैरानी, कहा- हमारे साथ कोई स

इस पूरे मामले में सबसे दुखद पहलू यह है कि फिल्म के ओरिजिनल क्रिएटर्स और मेकर्स को ही अंधेरे में रखा जा रहा है। फिल्म के को-राइटर (सह-लेखक) नरिन भट्ट ने भी इस पूरी स्थिति पर गहरा दुख और आश्चर्य व्यक्त किया है।

मेकर्स को नहीं दी जा रही कोई भी आधिकारिक जानकारी

एक प्रसिद्ध मीडिया संस्थान (हिंदुस्तान टाइम्स) से बातचीत करते हुए नरिन भट्ट ने अपना दर्द बयां किया। उन्होंने कहा, हमें तो यह भी नहीं पता था कि हमारी फिल्म कब रिलीज होने वाली है, और न ही यह पता चला कि इसे कब और क्यों हटा दिया गया। अब यह IMDb की रेटिंग्स गायब होने का नया मामला सामने आया है।

नरिन भट्ट ने आगे कहा कि पूरे मामले में सबसे बड़ी समस्या पारदर्शिता की कमी है। उनके मुताबिक, प्लेटफॉर्म या किसी भी एजेंसी की तरफ से टीम के साथ किसी भी प्रकार का कोई आधिकारिक संवाद या बातचीत नहीं की गई है, जो कि बेहद चिंताजनक है।

(नोट: यदि आप अन्य राज्यों की महत्वपूर्ण खबरों जैसे कि सरकारी नौकरी की तैयारी या उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती सूची 2026 के बारे में जानना चाहते हैं, तो आपUP Police 1 Lakh Recruitment Notification PDFडाउनलोड कर के पूरी जानकारी चेक कर सकते हैं।)

सिस्टम में बैठे किसी शख्स को इस फिल्म से भारी दिक्कत है

लेखक नरिन भट्ट ने इस बात का भी अंदेशा जताया है कि फिल्म की कहानी या इसके मुद्दों से सिस्टम के कुछ प्रभावशाली लोगों को गहरी आपत्ति है। वैरायटी इंडिया को दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने इस विषय पर खुलकर बात की थी।

सालों की मेहनत पर पानी फेरने की कोशिश

नरिन भट्ट ने अपने बयान में सीधे तौर पर इशारा किया, मुझे व्यक्तिगत रूप से लगता है कि सिस्टम के भीतर किसी को इस फिल्म से बहुत बड़ी दिक्कत है। सबसे बड़ी समस्या यह है कि हमें सालों से केवल चुप्पी और टालमटोल का सामना करना पड़ रहा है। कोई भी सामने आकर बात करने को तैयार नहीं है।

>> कम्युनिकेशन गैप:मेकर्स को आधिकारिक आपत्तियों की लिस्ट नहीं सौंपी गई।

>> अदृश्य दबाव:फिल्म को बिना किसी लीगल नोटिस के प्लेटफॉर्म्स से हटाया जा रहा है।

>> क्रिएटिव फ्रीडम:फिल्म इंडस्ट्री के लोगों का मानना है कि यह अभिव्यक्ति की आजादी पर हमला है।

सेंडर बोर्ड (CBFC) और ज़ी5 की चुप्पी पर मेकर्स ने उठाए गंभीर

सेंसर बोर्ड यानी सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (CBFC) की कार्यप्रणाली भी इस समय सवालों के घेरे में है। मेकर्स का आरोप है कि बोर्ड की तरफ से इस फिल्म को लेकर पूरी तरह से सन्नाटा पसरा हुआ है, जो कई तरह के संदेह पैदा करता है।

मौजूदा घटनाक्रम के नाम पर टालमटोल का रवैया

ओटीटी प्लेटफॉर्म ज़ी5 ने फिल्म को हटाने के पीछे केवल मौजूदा घटनाक्रम (Current Developments) का हवाला दिया है। लेकिन वो मौजूदा घटनाक्रम असल में क्या है, इसकी कोई व्याख्या कंपनी ने अपने बयान में नहीं की है। लेखक ने सवाल उठाया कि अगर कोई समस्या है तो उस पर टेबल पर बैठकर बातचीत होनी चाहिए, न कि सीधे कंटेंट को डिलीट कर देना चाहिए।

जिस तरह से बिना किसी स्पष्टीकरण के इस फिल्म पर कार्रवाई हो रही है, वह किसी अजीब प्रशासनिक दबाव की ओर इशारा करती है। यह ठीक उसी तरह है जैसे किसी गैर-कानूनी गतिविधि पर अचानक पुलिसिया रेड होती है। जैसे हाल ही में बिहार के हसुआ में पुलिस ने एक दुकान पर छापा मारकर अवैध सामग्री जब्त की थी, जिसकी रिपोर्ट आपPolice Raid Report 2026पर देख सकते हैं लेकिन सिनेमा के कंटेंट के साथ ऐसा गुप्त रवैया अपनाना पूरी तरह अनुचित है।

बिना कारण बताए फिल्म पर एक्शन: सोशल मीडिया पर छिड़ी नई बहस

जैसे ही बुधवार को यह खबर इंटरनेट पर वायरल हुई कि सतलुज की IMDb रेटिंग्स को पूरी तरह उड़ा दिया गया है, वैसे ही सोशल मीडिया पर नेटिजन्स और दिलजीत दोसांझ के फैंस ने मोर्चा खोल दिया है। एक्स (ट्विटर) और फेसबुक पर फिल्म को दोबारा रिलीज करने की मांग उठ रही है।

डिजिटल युग में सेंसरशिप के तरीकों पर उठे सवाल

सोशल मीडिया यूज़र्स का कहना है कि साल 2026 के इस डिजिटल और आधुनिक युग में किसी फिल्म को इस तरह से दबाना नामुमकिन है। रेटिंग्स हटा देने से दर्शकों के दिलों से फिल्म की वैल्यू कम नहीं की जा सकती। यूज़र्स अब ज़ी5 और IMDb दोनों को टैग करके जवाब मांग रहे हैं और इस कदम की कड़ी आलोचना कर रहे हैं।

निष्कर्ष (Conclusion)

दिलजीत दोसांझ की फिल्म सतलुज के साथ जो कुछ भी हो रहा है, उसने भारतीय सिनेमा जगत में कंटेंट की सुरक्षा और फ्रीडम ऑफ स्पीच पर एक बड़ा सवालिया निशान लगा दिया है। पहले ओटीटी प्लेटफॉर्म से फिल्म का हटना और फिर वैश्विक स्तर पर मान्य IMDb जैसी वेबसाइट से रेटिंग्स का अचानक गायब हो जाना यह साबित करता है कि पर्दे के पीछे का विवाद बहुत गहरा है। जब तक सेंसर बोर्ड (CBFC) या संबंधित ओटीटी प्लेटफॉर्म इस पर अपनी चुप्पी नहीं तोड़ते, तब तक यह विवाद थमता नजर नहीं आ रहा है।

जनता के सवाल (FAQs)

इस फिल्म में मुख्य भूमिका लोकप्रिय पंजाबी गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ ने निभाई है।

इस फिल्म को रिलीज के महज 48 घंटों के भीतर ज़ी5 (Zee5) ओटीटी प्लेटफॉर्म से अचानक हटा दिया गया था।

हटाए जाने से पहले तक दर्शकों द्वारा इस फिल्म को IMDb पर 10 में से 9.5 की बेहद शानदार रेटिंग दी गई थी।

संजय गुप्ता ने रेटिंग गायब होने पर नाराजगी जताते हुए सोशल मीडिया पर IMDb को पूरी तरह से फर्जी और अविश्वसनीय बताया है।

इस फिल्म के को-राइटर निरेन भट्ट हैं, जिन्होंने मीडिया से बातचीत में इस पूरे घटनाक्रम पर गहरा आश्चर्य जताया है।

नहीं, मेकर्स के अनुसार सेंसर बोर्ड (CBFC) की तरफ से इस विषय पर पूरी तरह सन्नाटा है और कोई कारण साझा नहीं किया गया है।

वर्तमान स्थिति के अनुसार, फिल्म ज़ी5 प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध नहीं है और इसके IMDb पेज से रेटिंग का डेटा भी गायब कर दिया गया है।